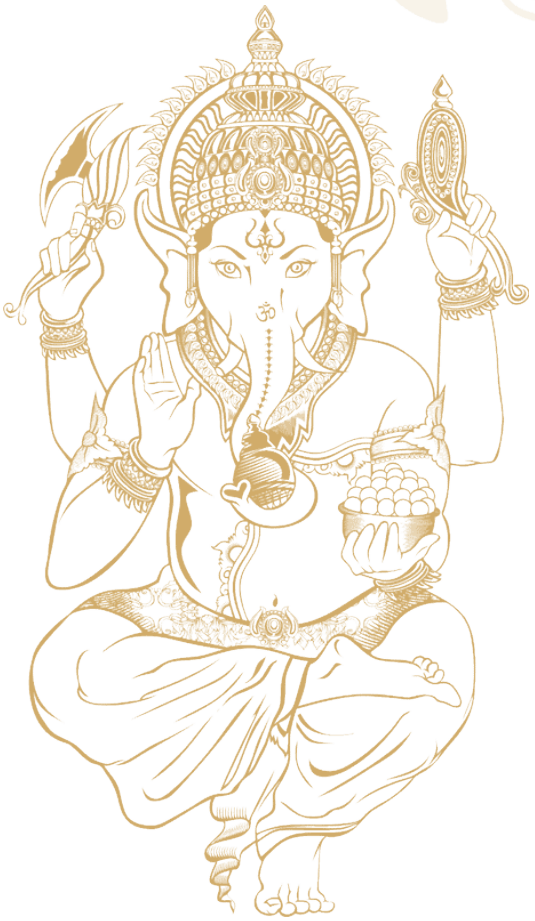

Ms.

31 Mar 2026

12:28 PM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121935202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:28:00 घंटे**
इष्ट	15:44:59 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:10:08 घंटे
वेलान्तर	-00:04:12 घंटे
साम्पातिक काल	00:44:49 घंटे
सूर्योदय	06:10:00 घंटे
सूर्यास्त	18:34:37 घंटे
दिनमान	12:24:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:21:01 मीन
लग्न के अंश	27:15:56 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:15:56	311:03:21	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	16:21:01	00:59:14	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	25:06:49	12:57:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	28:20:14	00:46:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	18:53:10	00:48:21	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:30:36	00:03:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	06:32:32	01:13:54	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:14:02	00:07:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:33:44	00:01:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:33:44	00:01:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:30:17	00:02:35	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:57:07	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:58:45	00:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	17:57:28	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

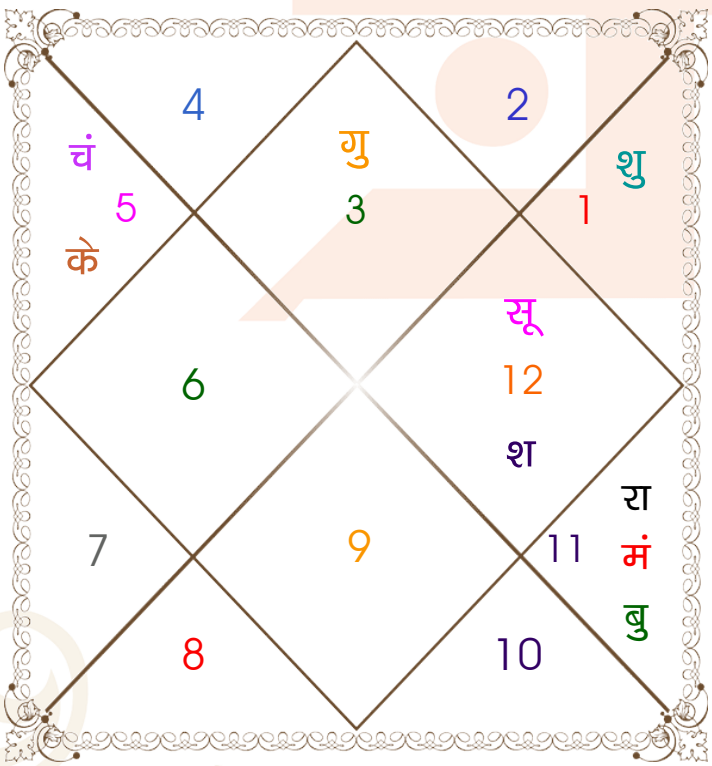

चन्द्र कुंडली

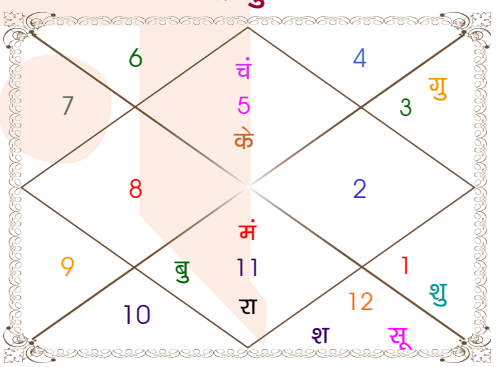

नवमांश कुंडली

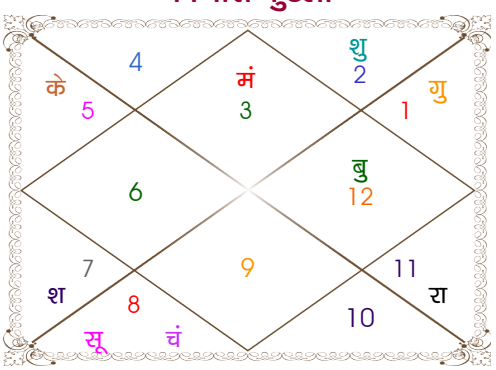

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 3 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/03/2026		29/07/2028		29/07/2034		29/07/2044		30/07/2051	
29/07/2028		29/07/2034		29/07/2044		30/07/2051		29/07/2069	
	00/00/0000	सूर्य	15/11/2028	चंद्र	30/05/2035	मंगल	25/12/2044	राहु	11/04/2054
	00/00/0000	चंद्र	17/05/2029	मंगल	29/12/2035	राहु	12/01/2046	गुरु	03/09/2056
	00/00/0000	मंगल	22/09/2029	राहु	29/06/2037	गुरु	19/12/2046	शनि	11/07/2059
	00/00/0000	राहु	17/08/2030	गुरु	29/10/2038	शनि	28/01/2048	बुध	28/01/2062
	00/00/0000	गुरु	05/06/2031	शनि	29/05/2040	बुध	24/01/2049	केतु	15/02/2063
	00/00/0000	शनि	17/05/2032	बुध	28/10/2041	केतु	23/06/2049	शुक्र	15/02/2066
	31/03/2026	बुध	23/03/2033	केतु	29/05/2042	शुक्र	23/08/2050	सूर्य	10/01/2067
बुध	30/05/2027	केतु	29/07/2033	शुक्र	28/01/2044	सूर्य	29/12/2050	चंद्र	11/07/2068
केतु	29/07/2028	शुक्र	29/07/2034	सूर्य	29/07/2044	चंद्र	30/07/2051	मंगल	29/07/2069

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/07/2069		29/07/2085		30/07/2104		30/07/2121		30/07/2128	
29/07/2085		30/07/2104		30/07/2121		30/07/2128		00/00/0000	
गुरु	16/09/2071	शनि	01/08/2088	बुध	26/12/2106	केतु	26/12/2121	शुक्र	29/11/2131
शनि	30/03/2074	बुध	11/04/2091	केतु	24/12/2107	शुक्र	25/02/2123	सूर्य	29/11/2132
बुध	04/07/2076	केतु	20/05/2092	शुक्र	24/10/2110	सूर्य	03/07/2123	चंद्र	30/07/2134
केतु	10/06/2077	शुक्र	20/07/2095	सूर्य	30/08/2111	चंद्र	01/02/2124	मंगल	29/09/2135
शुक्र	09/02/2080	सूर्य	01/07/2096	चंद्र	28/01/2113	मंगल	29/06/2124	राहु	29/09/2138
सूर्य	28/11/2080	चंद्र	31/01/2098	मंगल	26/01/2114	राहु	18/07/2125	गुरु	30/05/2141
चंद्र	30/03/2082	मंगल	12/03/2099	राहु	14/08/2116	गुरु	24/06/2126	शनि	30/07/2144
मंगल	05/03/2083	राहु	17/01/2102	गुरु	20/11/2118	शनि	03/08/2127	बुध	01/04/2146
राहु	29/07/2085	गुरु	30/07/2104	शनि	30/07/2121	बुध	30/07/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशग्र बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नही चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।